Class 10 Hindi Sanchayan Chapter 1: हरिहर काका (Harihar Kaka) – Notes, प्रश्न-उत्तर और MCQs (2026-27)

ये Harihar Kaka Class 10 notes (हरिहर काका) CBSE कक्षा 10 हिंदी संचयन भाग 2 के पहले पाठ को पूरी तरह कवर करते हैं: मिथिलेश्वर का परिचय, कहानी का घटना-क्रम, पात्रों का चरित्र, महंत और भाइयों का स्वार्थ, NCERT प्रश्न-उत्तर, 10 MCQs और मुफ़्त PDF।

नीचे दी गई विषय-सूची से सीधे अपने ज़रूरी भाग पर जाएँ, या पूरे पाठ की तैयारी के लिए शुरू से अंत तक पढ़ें।

विषय-सूची (Table of Contents)

- पाठ परिचय (Chapter Overview)
- मुख्य बिंदु और व्याख्या (Important Points)
- पात्र और उनकी विशेषताएँ
- महंत और भाई: समान स्वार्थ
- घटना-क्रम (Sequence of Events)
- शब्दार्थ (Word Meanings)
- लघु उत्तरीय प्रश्न (Short Answer Questions)
- दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (Long Answer Questions)
- बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs with Answers)
- त्वरित पुनरावृत्ति (Quick Revision)
- सारांश (Summary)
- परीक्षा टिप्स (Exam Tips)
- अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQs)
- निष्कर्ष (Conclusion)

सभी पाठों के नोट्स चाहिए? Nextoper पर पूरे Class 10 Hindi notes देखें – क्षितिज, कृतिका, स्पर्श और संचयन, पाठ-वार।

पाठ परिचय (Chapter Overview)

मिथिलेश्वर का जन्म 1950 में बिहार के भोजपुर ज़िले के बैसाडीह गाँव में हुआ। वे ग्रामीण जीवन के यथार्थ को चित्रित करने वाले प्रसिद्ध कहानीकार और उपन्यासकार हैं। प्रमुख रचनाएँ: कहानी-संग्रह बाबूजी, बंद रास्तों के बीच, दूसरा महाभारत, मेघना का निर्णय, तिरिया जनम; उपन्यास झुनिया, युद्धस्थल, प्रेम न बाड़ी ऊपजै।

'हरिहर काका' कहानी एक निःसंतान वृद्ध की है, जिसकी ज़मीन-जायदाद पर उसके अपने भाइयों और गाँव के ठाकुरबारी के महंत – दोनों की नज़र है। दोनों पक्ष पहले उसकी सेवा का दिखावा करते हैं, फिर ज़मीन अपने नाम लिखवाने के लिए उस पर अत्याचार करते हैं। कहानी परिवार और धर्म दोनों में फैले स्वार्थ और मानवीय मूल्यों के पतन को उजागर करती है।

मुख्य बिंदु और व्याख्या (Important Points)

हरिहर काका और उनका परिवार

- हरिहर काका चार भाई थे; तीन भाई विवाहित और बाल-बच्चेदार थे।
- हरिहर काका की दो शादियाँ हुईं, पर दोनों पत्नियाँ बिना संतान के चल बसीं।
- परिवार के पास लगभग साठ बीघे ज़मीन थी; हरिहर काका के हिस्से में पंद्रह बीघे आते थे।
- उन्होंने अपनी ज़मीन भाइयों के परिवार के साथ ही रखी और उन्हीं के साथ रहने लगे।
- लेखक (कथावाचक) उनका पड़ोसी था और बचपन से उनसे गहरा लगाव रखता था।

भाइयों के परिवार की उपेक्षा

- शुरू में भाइयों की पत्नियाँ उनकी सेवा करती थीं, पर धीरे-धीरे उपेक्षा करने लगीं।
- उन्हें रूखा-सूखा खाना दिया जाने लगा; बीमारी में कोई पानी तक नहीं पूछता था।
- एक दिन घर में अच्छे पकवान बने थे, पर हरिहर काका को सादा भोजन दिया गया; इस पर वे भड़क उठे।

ठाकुरबारी और महंत का लालच

- गाँव की ठाकुरबारी (मंदिर) के महंत को जब यह पता चला, तो वे हरिहर काका को ठाकुरबारी ले गए और खूब आवभगत की।
- महंत ने समझाया कि अपनी ज़मीन ठाकुरजी (ठाकुरबारी) के नाम लिख दें, इससे उन्हें बैकुंठ मिलेगा और नाम अमर रहेगा।
- भाइयों को पता चला तो वे हरिहर काका को मनाकर घर ले आए और उनकी खूब सेवा करने लगे।
- हरिहर काका सोच में पड़ गए; उन्हें समझ आ गया कि सब उनकी ज़मीन के लिए ही प्यार दिखा रहे हैं।

अपहरण और अत्याचार

- महंत ने अपने साधुओं के साथ रात में हरिहर काका का अपहरण कर लिया और ठाकुरबारी के कमरे में बंद करके सादे कागज़ों पर ज़बरदस्ती उनके अँगूठे के निशान ले लिए।
- भाइयों ने पुलिस की मदद से उन्हें छुड़ाया।
- बाद में भाइयों ने भी ज़मीन अपने नाम लिखवाने के लिए उन्हें धमकाया, मारा-पीटा और कागज़ों पर अँगूठे के निशान लगवाने की कोशिश की।
- पुलिस ने फिर हस्तक्षेप करके उन्हें बचाया।

अंत: अकेले हरिहर काका

- अब हरिहर काका परिवार से अलग रहने लगे; उनकी सुरक्षा के लिए पुलिस तैनात कर दी गई।
- उन्होंने तय कर लिया कि जीते जी वे अपनी ज़मीन किसी के नाम नहीं लिखेंगे।
- वे मौन और उदास रहने लगे; गाँव में तरह-तरह की चर्चाएँ होने लगीं।
- लेखक उनके इस हाल से बहुत दुखी है।

पात्र और उनकी विशेषताएँ

चरित्र-चित्रण प्रश्नों के लिए।

पात्र	विशेषताएँ
हरिहर काका	निःसंतान वृद्ध, सरल, भावुक, बाद में सजग और दृढ़ निश्चयी
महंत	लालची, धूर्त, धर्म के नाम पर स्वार्थ साधने वाला
भाई और उनके परिवार	स्वार्थी, अवसरवादी, क्रूर
लेखक (कथावाचक)	संवेदनशील, हरिहर काका का हितैषी
पुलिस	अंततः हरिहर काका की रक्षक

महंत और भाई: समान स्वार्थ

तुलनात्मक प्रश्नों के लिए।

महंत	भाई
धर्म और बैकुंठ का लालच दिया	पारिवारिक प्रेम का दिखावा किया
अपहरण करके अँगूठे लगवाए	मार-पीट करके अँगूठे लगवाने चाहे
लक्ष्य: ज़मीन ठाकुरबारी के नाम	लक्ष्य: ज़मीन अपने नाम

घटना-क्रम (Sequence of Events)

क्रम	घटना
1	हरिहर काका निःसंतान; भाइयों के साथ रहना
2	भाइयों के परिवार द्वारा उपेक्षा; भोजन प्रसंग
3	महंत का ठाकुरबारी ले जाना; ज़मीन लिखने का प्रलोभन
4	भाइयों का मनाकर वापस लाना; सेवा का दिखावा
5	महंत द्वारा अपहरण और अँगूठे; पुलिस से मुक्ति
6	भाइयों का अत्याचार; पुलिस सुरक्षा में अकेला जीवन

शब्दार्थ (Word Meanings)

शब्द	अर्थ
यंत्रणा	पीड़ा
आसक्ति	लगाव
ठाकुरबारी	देवस्थान, मंदिर
मनौती	मन्नत
विलीन	समा जाना
बैकुंठ	स्वर्ग
निःसंतान	जिसकी संतान न हो
सर्वोपरि	सबसे ऊपर
अनभिज्ञ	अनजान
मझधार	बीच में
अगम	जहाँ पहुँचना कठिन हो
दुर्वासा	क्रोधी स्वभाव वाला
पुश्तैनी	पीढ़ियों से चली आ रही
फ़रमान	आदेश
गुप्त	छिपा हुआ
प्रलोभन	लालच

लघु उत्तरीय प्रश्न (Short Answer Questions)

प्रश्न 1. कथावाचक और हरिहर काका के बीच क्या संबंध है और इसके क्या कारण हैं?

उत्तर: कथावाचक हरिहर काका का पड़ोसी है। बचपन में हरिहर काका उसे बहुत प्यार करते थे और बड़ा होने पर दोनों मित्र जैसे हो गए; इसलिए दोनों में गहरा आत्मीय संबंध है।

प्रश्न 2. हरिहर काका को महंत और अपने भाई एक ही श्रेणी के क्यों लगने लगे?

उत्तर: महंत और भाई दोनों उनकी ज़मीन के लिए ही उनसे प्रेम का दिखावा करते थे और ज़मीन के लिए दोनों ने उन पर अत्याचार किए; इसलिए उन्हें दोनों एक जैसे लगने लगे।

प्रश्न 3. ठाकुरबारी के प्रति गाँव वालों के मन में अपार श्रद्धा के जो भाव हैं, उससे उनकी किस मनोवृत्ति का पता चलता है?

उत्तर: इससे गाँव वालों की अंधश्रद्धा और धार्मिक भीरुता का पता चलता है; वे बिना सोचे ठाकुरबारी और महंत पर विश्वास करते हैं।

प्रश्न 4. अनपढ़ होते हुए भी हरिहर काका दुनिया की बेहतर समझ रखते हैं। कहानी के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर: हरिहर काका ने गाँव के उन लोगों के उदाहरणों से सीखा था जिन्होंने जीते जी ज़मीन संतानों या रिश्तेदारों के नाम लिख दी और बाद में दुख भोगा। इसलिए वे जीते जी अपनी ज़मीन किसी के नाम न लिखने के निर्णय पर दृढ़ रहे।

प्रश्न 5. हरिहर काका को जबरन उठा ले जाने वाले कौन थे? उन्होंने उनके साथ कैसा व्यवहार किया?

उत्तर: हरिहर काका को ठाकुरबारी के महंत के साधु और उनके लोग उठा ले गए। उन्होंने उन्हें कमरे में बंद करके मुँह में कपड़ा ठूँसा, हाथ-पैर बाँधे और सादे कागज़ों पर ज़बरदस्ती अँगूठे के निशान ले लिए।

प्रश्न 6. हरिहर काका के मामले में गाँव वालों की क्या राय थी और उसके क्या कारण थे?

उत्तर: गाँव वाले दो पक्षों में बँट गए – कुछ महंत के पक्ष में थे (धार्मिक आस्था के कारण) और कुछ भाइयों के पक्ष में (पारिवारिक अधिकार के कारण)।

प्रश्न 7. कहानी के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि लेखक ने यह क्यों कहा, "अज्ञान की स्थिति में ही मनुष्य मृत्यु से डरते हैं। ज्ञान होने के बाद तो आदमी आवश्यकता पड़ने पर मृत्यु को वरण करने के लिए तैयार हो जाता है।"

उत्तर: जब हरिहर काका को समझ आ गया कि सब उनकी ज़मीन के भूखे हैं, तो उन्होंने मृत्यु के डर से ज़मीन लिखने के बजाय अत्याचार सहना स्वीकार किया; ज्ञान ने उन्हें निडर बना दिया।

प्रश्न 8. हरिहर काका के हिस्से में कितनी ज़मीन थी?

उत्तर: हरिहर काका के हिस्से में पंद्रह बीघे ज़मीन थी।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (Long Answer Questions)

प्रश्न 1. 'हरिहर काका' कहानी के माध्यम से लेखक ने किन सामाजिक बुराइयों को उजागर किया है?

- पारिवारिक संबंधों में बढ़ता स्वार्थ और ज़मीन-जायदाद का लालच।
- धर्म के नाम पर धार्मिक स्थलों के महंतों का लालच और अत्याचार।
- वृद्धों और निःसंतानों की उपेक्षा।
- गाँव वालों की अंधश्रद्धा।
- मानवीय मूल्यों और संवेदनाओं का पतन।

प्रश्न 2. हरिहर काका के चरित्र की विशेषताएँ लिखिए।

- सरल और भावुक: भाइयों पर पूरा भरोसा किया।
- स्वाभिमानी: उपेक्षा से आहत होकर भड़क उठे।
- समझदार: दूसरों के अनुभव से सीखकर ज़मीन न लिखने का निर्णय लिया।
- दृढ़ निश्चयी: अत्याचार सहकर भी निर्णय पर अडिग रहे।
- अकेले और दुखी: अंत में मौन और उदास जीवन।

प्रश्न 3. कहानी के आधार पर महंत के चरित्र पर प्रकाश डालिए।

- लालची: हरिहर काका की ज़मीन पर नज़र।
- धूर्त: धर्म और बैकुंठ का प्रलोभन देकर फुसलाया।
- क्रूर: अपहरण करके ज़बरदस्ती अँगूठे लगवाए।
- पाखंडी: धर्म के नाम पर स्वार्थ साधा।
- वह धार्मिक संस्थाओं के भ्रष्ट रूप का प्रतीक है।

बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs with Answers)

1. 'हरिहर काका' के लेखक हैं

(क) मिथिलेश्वर (ख) गुरदयाल सिंह (ग) राही मासूम रज़ा (घ) प्रेमचंद

उत्तर: (क) मिथिलेश्वर

2. हरिहर काका कितने भाई थे?

(क) दो (ख) तीन (ग) चार (घ) पाँच

उत्तर: (ग) चार

3. हरिहर काका के हिस्से में कितनी ज़मीन थी?

(क) दस बीघे (ख) पंद्रह बीघे (ग) बीस बीघे (घ) साठ बीघे

उत्तर: (ख) पंद्रह बीघे

4. हरिहर काका की ज़मीन पर किसकी नज़र थी?

(क) केवल भाइयों की (ख) केवल महंत की (ग) भाइयों और महंत दोनों की (घ) लेखक की

उत्तर: (ग) भाइयों और महंत दोनों की

5. महंत ने किसका प्रलोभन दिया?

(क) धन (ख) बैकुंठ और अमर नाम (ग) विवाह (घ) नौकरी

उत्तर: (ख) बैकुंठ और अमर नाम

6. हरिहर काका का अपहरण किसने किया?

(क) भाइयों ने (ख) महंत के साधुओं ने (ग) पुलिस ने (घ) डाकुओं ने

उत्तर: (ख) महंत के साधुओं ने

7. अपहरण के बाद क्या करवाया गया?

(क) भोजन (ख) कागज़ों पर अँगूठे के निशान (ग) पूजा (घ) विवाह

उत्तर: (ख) कागज़ों पर अँगूठे के निशान

8. हरिहर काका को किसने छुड़ाया?

(क) लेखक (ख) पुलिस (ग) गाँव वाले (घ) महंत

उत्तर: (ख) पुलिस

9. अंत में हरिहर काका कैसे रहने लगे?

(क) भाइयों के साथ (ख) ठाकुरबारी में (ग) अलग, पुलिस सुरक्षा में (घ) शहर में

उत्तर: (ग) अलग, पुलिस सुरक्षा में

10. कहानी का मुख्य विषय है

(क) प्रकृति (ख) स्वार्थ और लालच (ग) देशभक्ति (घ) शिक्षा

उत्तर: (ख) स्वार्थ और लालच

त्वरित पुनरावृत्ति (Quick Revision)

- लेखक: मिथिलेश्वर (1950), बैसाडीह (भोजपुर, बिहार)।
- हरिहर काका: चार भाई; निःसंतान; हिस्से में 15 बीघे।
- भाइयों के परिवार की उपेक्षा; भोजन प्रसंग।
- महंत: बैकुंठ का प्रलोभन; अपहरण; अँगूठे के निशान।
- भाइयों का भी अत्याचार; दोनों बार पुलिस ने बचाया।
- अंत: पुलिस सुरक्षा में अकेला, मौन जीवन; जीते जी ज़मीन न लिखने का निर्णय।

सारांश (Summary)

हरिहर काका एक निःसंतान वृद्ध हैं, जो अपने भाइयों के परिवार के साथ रहते हैं। उनके हिस्से की पंद्रह बीघे ज़मीन पर भाइयों और ठाकुरबारी के महंत – दोनों की नज़र है। भाइयों के परिवार की उपेक्षा से दुखी होने पर महंत उन्हें ठाकुरबारी ले जाकर ज़मीन ठाकुरजी के नाम लिखने का प्रलोभन देते हैं, फिर भाई उन्हें मनाकर वापस ले आते हैं।

महंत उनका अपहरण कर ज़बरदस्ती अँगूठे के निशान ले लेता है; पुलिस उन्हें छुड़ाती है। बाद में भाई भी ज़मीन के लिए उन पर अत्याचार करते हैं। अंत में हरिहर काका पुलिस सुरक्षा में अलग रहते हैं, जीते जी ज़मीन किसी के नाम न लिखने का निश्चय करते हैं और मौन हो जाते हैं।

परीक्षा टिप्स (Exam Tips)

- महंत और भाइयों को एक श्रेणी का मानने वाला प्रश्न बहुत महत्वपूर्ण है।
- हरिहर काका के निर्णय (ज़मीन न लिखना) का कारण याद रखें।
- घटना-क्रम तालिका से सारांश लिखें।
- सामाजिक बुराइयों पर दीर्घ उत्तर तैयार रखें।
- गाँव वालों की राय के दोनों पक्ष लिखें।

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQs)

इस पाठ का मुख्य संदेश क्या है?

रिश्तों और धर्म दोनों में फैले स्वार्थ का पर्दाफ़ाश; वृद्धों के प्रति संवेदनशीलता।

क्या यह पाठ 2026-27 सिलेबस में है?

हाँ, यह CBSE हिंदी B की पूरक पाठ्यपुस्तक संचयन भाग 2 में है।

क्या इन नोट्स का PDF मिलेगा?

हाँ, ऊपर दिए लिंक से बिना साइनअप मुफ़्त PDF डाउनलोड करें।

निष्कर्ष (Conclusion)

हरिहर काका स्वार्थ में डूबे समाज का मार्मिक चित्र है। घटना-क्रम और पात्र तालिका दोहराकर इस पाठ में पूरे अंक पाएँ।

और नोट्स (More Notes): Class 10 Hindi Sanchayan Chapter 2: सपनों के-से दिन notes | All Class 10 Hindi notes

लेखक परिचय (Author Bio): ये नोट्स Nextoper Editorial Team ने तैयार और जाँचे हैं – CBSE हिंदी शिक्षकों का समूह, जो NCERT पाठ्यपुस्तक और पिछले बोर्ड प्रश्नपत्रों के पैटर्न के आधार पर पाठ-वार नोट्स बनाते हैं।

अद्यतन जानकारी (Freshness Note): ये नोट्स NCERT कक्षा 10 की हिंदी पाठ्यपुस्तक संचयन भाग 2 (Reprint 2026-27, CBSE Hindi B) और 2026-27 सत्र के CBSE पाठ्यक्रम पर आधारित हैं। अंतिम जाँच: 10 नवंबर 2026।